Note → Classical Liberalism में राज्य की बात नहीं की गई है क्योंकि

* The wealth of Nations (1776)
* The Theory of Moral Sentiments (1759)

जैरमी बेन्थम (1748 - 1832)

~~founder of Uti~~
* founder of utilitarianism
उपयोगितावाद

* An Introduction to the Principle of Morals and Legislation Published in 1989
* Anarchical Fallacies Published in 179.
* Discourse on Civil and Penal Legislation Published in 1802

(2) आधुनिक उदारवाद / सकारात्मक उदारवाद / half 20वीं सदी का उदारवाद

* औद्योगिक पूंजीवाद का आगमन अपने साथ सामान्य समृद्धि और सभी के लिए ~~स्वतं~~ स्वतंत्रता लेकर आया था लेकिन बढ़ती सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए आधुनिक उदारवादियों ने राज्य के हस्तक्षेप से विकास को स्वीकार किया। उन्होंने शास्त्रीय उदारवाद के व्यक्तिवाद को छोड़कर सामूहिकता को अपनाया यह राज्य व व्यक्ति दोनों को महत्व

देता है तथा अणुवादी समाज का विरोधी है।

1960 के दशक के बाद सकारात्मक उदारवाद का उदय हुआ यह रात्री प्रहरी राज्य की बजाय कल्याणकारी राज्य का समर्थक है।

'कल्याणकारी राज्य' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'आर्कबिशप टैम्पिल' ने अपनी कृति "सिटीजन एण्ड चर्चमैन" में किया।

ब्रिटेन के अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने इसका व्यापक स्तर पर समर्थन किया। अपनी पुस्तक "The General Theory of Employment, Interest and Money (1936)। (1963) में कीन्स ने शास्त्रीय आर्थिक उदारवाद को चुनौती दी और Self Regulating Market को नकार दिया। कीन्सीयन नीतियों को 'Key of Long Boom' की संज्ञा दी जाती है।

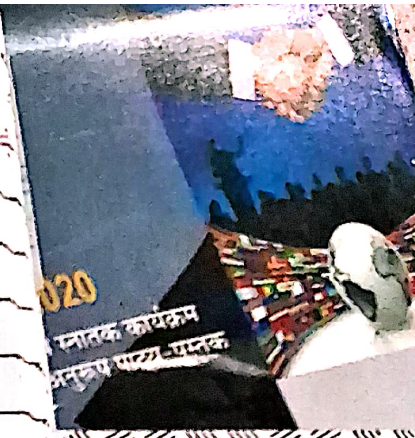

आधुनिक उदारवाद - आधुनिक उदारवाद की शुरुआत जॉन स्टुअर्ट मिल से मानी जाती है पर टी.एच. ग्रीन इसके वास्तविक शुरुआतकर्ता है क्योंकि जॉन स्टुअर्ट मिल प्रारम्भ में नकारात्मक उदारवादी थे लेकिन अपनी पुस्तक 'Principle of Political Economy' के सातवें संस्करण के प्रकाशित होने